दैनिक जागरण हिसार, 13 मई 2014

पहल : ई-लाइब्रेरी को सभी वर्ग की पांच हजार अतिरिक्त किताबें उपलब्ध कराने का फैसला

अब दुनिया में होगी म्हारी 'बाला' की धूम

जागरण संवाददाता, भिवानी : म्हारी 'बाला' अब सिर्फ हरियाणवी घरों की चारदीवारी में रहने वाली नहीं, बल्कि देश व दुनिया की हर नई तकनीक की बखूबी जानकार होगी। बाला में हर वो आधुनिकता उपलब्ध होगी, जो वर्तमान समय की जरूरत है। यह बाला कोई युवती का नाम नहीं, बल्कि हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड प्रशासन द्वारा बनाई जा रही नई ई-लाइब्रेरी का नाम है। इस लाइब्रेरी में बच्चों के विकास के लिए तमाम वे सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी, जो उनके शैक्षिक व वैचारिक विकास के लिए जरूरी हैं। हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में किताबी व ई (इलेक्ट्रानिक) ज्ञानवर्धक सामग्री इसमें उपलब्ध करवाई जाएंगी। जो कि प्रदेश में पहली बार इस तरह का प्रयास किया गया है।

शिक्षा बोर्ड मुख्यालय पर बनाई गई आधुनिक ई-लाइब्रेरी का दृश्य। जागरण

सूत्र बताते हैं कि बोर्ड प्रशासन ने इस ई-लाइब्रेरी में सभी वर्ग की 5 हजार अतिरिक्त किताबें उपलब्ध करवाने का फैसला किया है। ये किताबें पाठकों की रुचि को ध्यान में रखकर खरीदी जाएंगी। इनमें वे सभी पाठक शामिल होंगे, जो पहली बार पढ़ने आ रहे हैं या फिर रेगुलर पाठक हैं। राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय लेखकों की अंग्रेजी हो या हिंदी दोनों भाषाओं की पुस्तकें यहां उपलब्ध करवाई जाएंगी।

विडियो लाइब्रेरी होगी नई मिसाल

ई-लाइब्रेरी में विडियो लाइब्रेरी का भी प्रावधान किया गया है। इसमें हिंदी व अंग्रेजी फिल्मों की ज्ञानवर्धक 1 हजार डीवीडी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

क्या है बाला

बिल्डिंग एट लर्निंग एड (बाला)। बोर्ड प्रशासन ने ई-लाइब्रेरी का नाम बाला रखा है। इस लाइब्रेरी का डिजाइन भी इस प्रकार तैयार किया गया है कि इसमें प्रवेश करते ही ज्ञान का अहसास होगा। लाइब्रेरी में की गई पेंटिंग इस प्रकार की गई है कि पेड़ व उसके नीचे बैठकर पढ़ाई करते बच्चे पढ़ने की रुचि का अहसास करवाते हैं।